

enquire into this matter. I think what is meant is that pressure wa* brought to bear—not legal expulsion, but pressure tactics.

SHRI BHUPESH GUPTA: May I know what happened to the little properties that they may have left in the Portuguese Possessions?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: I am afraid I don't know. I don't know if they had much in the shape of properties

लंका के उद्योगों के लिये भारतीय पूंजी पर
लंका के उद्योग मंत्री का बक्तव्य

*२७३. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या लंका के उद्योग मंत्री ने अपनी हाल की भारत यात्रा में भारतीय पूंजी के लंका के उद्योगों में लगाये जाने के सम्बन्ध में भारत सरकार से कोई बातचीत की थी ?

FFCEYLONSE INDUSTRY MINISTER'S
STATEMENT ON INDIAN CAPITAL FOR
CEYLONSE INDUSTRIES

*273. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister for COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state whether the Industry Minister of Ceylon had any talk with the Government of India inviting investment of Indian capital in Ceylonese industries during his recent visit to India?]

†THE MINISTER FOR COMMERCE (SHRI

वाणिज्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर): सरकार से उनकी जो बातचीत हुई वह सामान्य ढंग की थी, और किसी भी विशेष विषय पर विचार नहीं किया गया था।

D. P. KABMARKAR: The talk that he had with the Government was of a general nature and no specific issue was discussed.]

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या यह सच है कि इन अधिकारियों ने बम्बई और अहमदा-

†English translation.

बाद के व्यवसायियों से सीधे बात चीत की और उनसे कहा कि वे अपनी पूंजी सीलोन में लगायें ?

श्री डी० पी० करमरकर : मुझे पता नहीं है कि व्यवसायियों के साथ बात चीत हुई। जहाँ तक मैं जानता हूँ मेरे ग्राही श्री कृष्णामाचारी से बात चीत हुई।

श्री नवाब सिंह चौहान : मेरा यह प्रश्न है कि यहाँ जो सीलोन के अधिकारी आये थे उन्होंने अहमदाबाद और बम्बई के कंपिट-लिस्टों से अपनी पूंजी सीलोन के व्यवसायों में लगाने के लिये सीधी भी बातें कीं ?

श्री डी० पी० करमरकर : मेरा जवाब सीलोन के उद्योग मंत्री के वार्ड में है न कि अधिकारियों के वार्ड में।

श्री स्व० कृ० ढंगे : सवाल क्या है, जवाब क्या है, कुछ समझ में नहीं आया।

श्री डी० पी० करमरकर : मैंने पहले यह जवाब दिया कि जो सीलोन के उद्योग मंत्री आये थे उनकी बात चीत से हमारे उद्योग और कामर्स मंत्री श्री कृष्णामाचारी से हुई थी। कोई और अधिकारी अहमदाबाद या दूसरी जगह आये थे या नहीं, मुझे इसका पता नहीं है।

श्री नवाब सिंह चौहान : जो बातें आपके मंत्रालय के कर्मचारियों में और सीलोन के कर्मचारियों में हुई, क्या उसमें उन्होंने इस बात को स्वीकार नहीं किया कि उनसे और अहमदाबाद और बम्बई के व्यवसायियों से सीधे बात चीत हुई ?

श्री डी० पी० करमरकर : जिस हद तक मैं जानता हूँ उनके अधिकारियों के साथ बात चीत नहीं हुई और जैसा मैंने पहले कहा उद्योग मंत्री के साथ बात चीत हुई है। वे लोग अहमदाबाद गये या नहीं गये और वहाँ के व्यवसायियों से बात चीत की या नहीं की, अगर आप नोटिस देंगे तो मैं इसका पता लगा लूँगा।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या बाहर के लोग हमारे यहां के लोगों से बगैर सरकार की इजाजत लिये हुये इस तरह की बातें कर सकते हैं ?

श्री डी० पी० कर्मकर : जी हां, हमारा स्वतंत्र देश है, अगर जरूरत हो तो वह बात चीत कर सकते हैं।

PROF. G. RANGA: But has it been brought to the notice of the Ceylo-nese Minister who has come over here that in view of the treatment being meted out almost with impunity to the Indians who had settled there for years, it would not be in the interest of India to encourage Indian nationals to invest their moneys and capital in Ceylonese industries?

SHRI D. P. KARMARKAR: Sir, that is an entirely different question, for the main question was about the talks with the Ceylonese Minister for Industries.

MR. CHAIRMAN: You need not answer it.

नेपाल स्थित बौद्ध तीर्थ स्थानों का जीर्णोद्धार

*२७४. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार ने नेपाल स्थित भगवान् बुद्ध के जन्म स्थान लुम्बिनी गार्डन्स की इमारतों, सड़कों व उद्यानों के निर्माण व नवीनीकरण का कोई प्रस्ताव नेपाल सरकार के पास भेजा है ; और

(ख) यदि हां, तो यह प्रस्ताव क्या है ;

(ग) उस पर अनुमानित व्यय क्या होगा ; और

(घ) इस प्रस्ताव के कब तक अमल में आने की सम्भावना है ?

f [RENOVATION OF THE PLACES OF BUDDHIST PILGRIMAGE IN NEPAL

"27436HRI NAWAB GINGH CHAUHAN: Will the PHIMF MINISTER be pleased +0 state:

(a) whether Government have sent any proposals to the Government of Nepal for repairing and reconstructing the buildings, roads, and parks of the Lumbini gardens, the birth place of Lord Buddha in Nepal; and

(b) if so, what are those proposals;

(c) what will be the estimated expenditure thereon; and

(d) when these proposals are expected to be implemented?

बौद्धशिक्षा कार्य उपमंत्री (श्री अनिल के० चन्दा): (क), (ख), (ग) और (घ)। इस बारे में कुछ प्रस्ताव भारत और नेपाल की सरकारों के विचारधीन हैं। लुम्बिनी नेपाल में है और इसलिए वहां कोई काम हो तो या तो नेपाल सरकार स्वयं करे, या उसकी इजाजत से होगा। इस बारे में नेपाल सरकार से बातचीत हो रही है। भारत की तरफ जो हिस्सा है वहां सड़कों बनवाने की तजवीज है। उत्तर प्रदेश की सरकार इस काम को करेगी और इस के लिए भारत सरकार उसकी मदद करेगी। आशा है कि इन में से कुछ काम साल भर के अन्दर हो जावेंगे। कुछ और कामों में और समय लगेगा। यह अभी नहीं कहा जा सकता कि कितना खर्च होगा। इस की जांच हो रही है।

[THE DEPUTY MINISTER FOR EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ANIL K. CHANDA): (a), (b), (c) and (d). Certain proposals are under the consideration of the Governments of India and Nepal. Lumbini is in Nepal territory and the work there will be done by the Government of Nepal themselves or with their permission. In this connection, discussions are going on with the Nepal Government. As far as the work on the Indian side is concerned, it has been proposed to undertake construction and improvement of roads. The work will be undertaken by the U.P. Government and assisted by the Government of India. Some of the works